द्वारका और बेट द्वारका

स्रोत: द हिंदू

भारतीय पुरातत्त्व सर्वेक्षण (ASI) ने गुजरात के **द्वारका और बेट द्वारका** में जलमग्न पुरातात्त्विक अवशेषों का पता लगाने के लिये एक वैज्ञानिक अध्ययन शुरू किया है।

- **वर्ष 1963** से अब तक ASI की खोजों से **जलमग्न संरचनाओं, पत्थर के घाटों, लंगरों (Anchors)** और **किलेबंद दीवारों** का पता चलता है, जो एक **समृद्ध प्राचीन बंदरगाह** का संकेत देते हैं।
- **द्वारका: कच्छ की खाड़ी के मुहाने** पर स्थित **द्वारका** (जहाँ भगवान कृष्ण मथुरा छोड़ने के बाद बस गए थे) **चार धाम तीर्थ स्थलों** में से एक है।
    - **धार्मिक महत्त्व:** किंवदंती के अनुसार, **कृष्ण ने द्वारका की स्थापना के लिये समुद्र से भूमि पुनः प्राप्त की,** जिससे यह **गुजरात की पहली राजधानी** बनी।
    - इस शहर में **द्वारकाधीश मंदिर (जगत मंदिर)** स्थित है, जो एक प्रमुख कृष्ण भक्ति मंदिर है, जिसे **महमूद बेगड़ा** द्वारा नष्ट किये जाने के बाद **16 वीं शताब्दी** में पुनर्निर्मित किया गया था, तथा यहाँ **शारदा पीठ** भी है, जो आदि शंकराचार्य द्वारा स्थापित **पश्चिमी मठ** है।

- **बेयट (बेट) द्वारका: बेट द्वारका** (शंखोद्धार) द्वीप, **समुद्र तट से 30 किमी दूर** स्थित है और **ओखा बंदरगाह** के माध्यम से यहाँ पहुँचा जा सकता

है, **महाभारत** में इसकी पहचान **अंतरद्वीप** के रूप में की गई है।
    - **गुरु वल्लभाचार्य** का संबंध इस द्वीप पर स्थित एक मंदिर से है।
    - द्वीप पर उत्खनन से **हड़प्पा और मौर्य काल** के निवास स्थान का पता चलता है।
    - मध्यकालीन समय में यह क्षेत्र **बड़ौदा के गायकवाड़** के अधीन था, जिसे **वर्ष 1857 में** कुछ समय के लिये **बाघेरों ने अपने अधीन** कर लिया था।
    - भारत के **सबसे लंबे केबल-स्टेड ब्रिज, सुदर्शन सेतु** का उद्घाटन **वर्ष 2024** में किया गया, जिससे पहुँच में सुधार हुआ।

और पढ़ें: सुदर्शन सेतु

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/dwarka-beyt-dwarka